RAJYA SABHA

Tuesday, the 8th April, 2003/18 Chaitra, 1925 (Saka)

The House met at eleven of the clock,

MR. CHAIRMAN in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

बिहार की नदियों को परिवहन का माध्यम बनाना

*361. प्रो॰ राम देव भंडारी: क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को बिहार की नदियों को परिवहन का माध्यम बनाने के लिए बैंक की सर्वेक्षण रिपोर्ट प्राप्त हुई है; और

(ख) यदि हां, तो सरकार उक्त रिपोर्ट के आधार पर क्या कार्रवाई कर रही है?

जल संसाधन मंत्री (श्री अर्जुन चरण सेठी): (क) देश के अन्तर्देशीय जलमार्गों ं विकास एवं विनियमन का दायित्व पोत परिवहन मंत्रालय के तहत आने वाले भारतीय र्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण का है। भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण को ऐसी सर्वेक्षण रिपोर्ट प्राप्त नही हुई है।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

Using rivers of Bihar as means of Transport

†*361. PROF. RAM DEO BHANDARY: Will the Minister of WATER :SOURCES be pleased to state:

(a) whether Government have received the survey report of orld Bank to use rivers of Bihar as a means of transport; and

(b) if so, the action being taken by Government on the basis the said report?

THE MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI ARJUN HARAN SETHI): (a) Inland Waterways Authority of India (IWAI) nder Ministry of Shipping is responsible for development and gulation of Inland Waterways of the Country. IWAI has not received ıy such survey report.

(b) Does not arise.

---

†Original notice of the question was received in Hindi.

प्रो॰ राम देव भंडारी: माननीय सभापति जी, मैं बड़े दुख के साथ कहना चाहता हूं कि सरकार संसद् के प्रति कितनी गंभीर है और किस प्रकार प्रश्नों का मखौल उड़ाया जाता है और प्रश्नों को टालने के लिए तथा इनका जवाब नहीं देना पड़े, इसके लिए किस प्रकार से उत्तर दिया जाता है, यह उत्तर इसका एक उदाहरण है। सर, मैंने बिहार की नदियों को परिवहन का माध्यम बनाने के बारे में सवाल किया था जिसके बारे में विश्व बैंक की सर्वेक्षण रिपोर्ट आई थी। मैंने जल संसाधन विभाग से प्रश्न किया था। महोदय, इससे पहले श्री लालू प्रसाद जी का और मेरा 9 दिसम्बर, 2002 को एक संयुक्त अतारांकित सवाल था। आज मंत्री जी ने जवाब दिया है कि यह सवाल इनके विभाग से संबंधित नहीं है। अब यदि इनके विभाग से वह संबंधित नहीं था तो जिस विभाग से संबंधित था या तो सवाल को उस विभाग को ट्रांसफर कर देना चाहिए था अन्यथा वहां से जवाब मंगा करके इनको जवाब देना चाहिए था, लेकिन इन्होंने कुछ भी नहीं किया। अपनी जवाबदेही से बचने के लिए इन्होंने कहा है कि सवाल अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण का है और भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण को ऐसी कोई सर्वेक्षण रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है। श्रीमान्, 11 साल के मेरे राजनीतिक जीवन में पहली बार राज्य सभा में इस सप्ताह मेरे तीन सवाल आए, कल तीसरा सवाल था, आज पहला सवाल है, कल नौवा सवाल होना था जो किसी कारण से एडमिट नहीं हुआ है। सभापति जी, बड़ी मुश्किल से सवाल आते हैं। अब यदि इस प्रकार का जवाब आएगा, श्रीमन्, तो प्रश्नकर्ता या संसद् सदस्य क्या कर पायेंगे..... (**व्यवधान**)

श्री लालू प्रसाद: गुमराह कर रहे हैं।

प्रो॰ राम देव भंडारी: श्रीमन्, यह हाउस को गुमराह कर रहे हैं।

श्री सभापति: लालू जी के कहने से मत बोलिए।

प्रो॰ राम देव भंडारी: सर, ये हमारे नेता हैं।

श्री सभापति: नेता हैं, तो ठीक हैं।

प्रो॰ राम देव भंडारी: ये हमारे नेता हैं, हमको प्रेरणा देते हैं। इनके कथनानुसार तो चलना पड़ेगा, श्रीमान्।

श्री सभापति: ठीक है, बस, अब हो गई बात।

प्रो॰ राम देव भंडारी: लेकिन सर, इसका जवाब..... (**व्यवधान**)

श्री सभापति: जवाब तो यही है जो अभी देंगे।

प्रो॰ राम देव भंडारी: नहीं, जो पहला सवाल था। पहले के सवाल में जवाब था कि इलाहाबाद से हल्दिया तक गंगा नदी को राष्ट्रीय जल मार्ग के रूप में घोषित किया गया है और अंतर्देशीय..... (व्यवधान)

श्री सभापति: यह क्वश्चन तो आपका है ही नहीं।

प्रो॰ राम देव भंडारी: क्वश्चन तो है।

श्री सभापति: नहीं, क्वश्चन 361 का यह उत्तर देंगे।

प्रो॰ राम देव भंडारी: महोदय, आप जानते हैं कि बिहार में नदियों का जाल फैला हुआ है।

श्री सभापति: वह सब सही है।

प्रो॰ राम देव भंडारी: आप इस बात को जानते हैं कि नदियों का जाल फैला हुआ है।

श्री सभापति: जाल के मामले में क्वश्चन दूसरा..... (व्यवधान) यह क्वश्चन दूसरे ढंग से दीजिए।

प्रो॰ राम देव भंडारी: महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि वर्ल्ड बैंक की जो रिपोर्ट आई है.... (व्यवधान)

श्री सभापति: यह कह रहे हैं कि वह आई नहीं।

प्रो॰ राम देव भंडारी: नहीं, इन्होंने उसे लिया ही नहीं। यह कहते हैं कि मेरे विभाग से संबंधित नहीं है। यह तो संसद् का समय बर्बाद कर रहे हैं।

श्री सभापति: आप बता दीजिए कि आपने लिया है या नहीं और क्या रिपोर्ट आई है। यदि रिपोर्ट आई है तो आपने उसे क्यों नहीं लिया।

SHRI ARJUN CHARAN SETHI: Mr. Chairman, Sir, as I have stated in my reply, no report has been received from the World Bank. But I would like to inform the hon. Members that we have received some schemes from the Government of Bihar to be included in the Centrally-sponsored schemes. We have received proposals for some other projects.

MR. CHAIRMAN: This question is regarding the survey report of the World Bank. Have you received such a report?

SHRI ARJUN CHARAN SETHI: No, Sir.

MR. CHAIRMAN: The question relates to the report of the World Bank. आप इस क्वश्चन पर कहां आ रहे हैं?

श्री लालू प्रसाद: सर, मैं आप के माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं गंगा नदी पर हल्दिया से कानपुर तक की आप की कौन सी योजना है? महोदय, हाल ही में आप ने गाय घाट पटना में एक टर्मिनल का उद्घाटन किया है, शिलान्यास किया है तो जब यह स्कीम सेंक्संड है और गुरुद्वारे के नजदीक टर्मिनल बनाकर लगातार यह बात हो रही है कि हम गंगा नदी को माध्यम बनाकर ट्रांसपोर्ट करेंगे, क्या मंत्री जी यह बताने का कष्ट करेंगे कि इस बारे में क्या प्रगति हुई है? महोदय देवेगौड़ा जी की सरकार में जितना भी गंगा में पानी था, उसे बांग्लादेश को बेच दिया गया और उस का यह नतीजा हुआ कि अब गंगा नदी सूख गयी है। उस का पेट बालू से भरा हुआ है, उस बालू की उड़ाही कर के आप ने गाय घाट में टर्मिनल का उद्घाटन किया है, उस दिशा में क्या प्रगति हुई है, कृपया यह बताने का कष्ट करें।

SHRI ARJUN CHARAN SETHI: Sir, the hon. Member has referred to, particularly about Ghai Ghat at Patna. It is being developed for a permanent terminal. काम चल रहा है अभी और काम होगा इसी में।

श्री लालू प्रसाद: सर, इन-कम्पलीट जवाब से कोई नतीजा नहीं निकलता है। माननीय मंत्री जी ने स्वीकार किया है, इसलिए महोदय, आप सदन की एक कमेटी भेजकर जांच करवा लीजिए क्योंकि गंगा नदी तो सूख गयी है और उस का पेट बालू से भरा हुआ है। फिर इन्होंने एक टर्मिनल का उद्घाटन कर के अपनी पीठ थपथपायी कि हम जहाज चलाने वाले हैं और यह कार्य जल्दी होने वाला है। महोदय, हम तो रात-दिन वहीं रहते हैं। वहां एक मुट्ठी बालू की उड़ाही भी आप ने नहीं की है। आप का कितना रुपया खर्च हुआ है और आप का जहाज कहां चल रहा है?

श्री सभापति: आप यह बता दीजिए कि जहाज कब तक चलेंगे?

SHRI ARJUN CHARAN SETHI: Sir, as per the information, the terminal at a cost of Rs. 25.5 crores is likely to be completed by March, 2004. As regards the other matter, which the hon. Member has referred to, that the Ganga river has practically dried up, a treaty had been signed between India and Bangladesh. Specially, at that time,—if I am allowed to say this—Lalooji and his party were in favour of the Treaty, and because of that, it had been signed.